# आयो कहाँ से घनश्याम

आ आ आ रे …
आयो कहाँ से घनश्याम॥
रैना बिताई किस धाम ॥
हाय राम
आयो कहाँ से …

हाँ रात की जागी रे ॥
अँखियाँ हैं तोरी
रात की जागी रे अँखियाँ हैं तोरी
हो रही गली गली जिया की चोरी ॥
हो नहीं जाना बदनाम हाय राम
आयो कहाँ से …

सज धज तुमरी का कहूँ रसिया
धनिध ध
धनिध ध
मधप गपम रेमग
मगस निस निस निसगमग
सगम पनिगम
पनिस गमगसा निनिप मगस प
सज धज तुमरी का कहूँ रसिया
ऐसे लगे तेरे हाथों में बँसिया ॥
जैसे कटारी लियो थाम हाय राम ॥
आयो कहाँ से …

हाँ मैं ना कहूँ कछु मोसे ना रूठो॥
तुम ख़ुद अपने जियरा से पूँछो ॥
बीती कहाँ पे कल शाम
आयो कहाँ से …

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/1873/title/aayo-kaha-se-ghanshyam-rena-bitaiye-kis-dham

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |